No. of Printed Pages : 4

EHD–02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी)

ई.एच.डी.-02 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** काव्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) तनक हरि चितवाँ म्हारी ओर।

हम चितवाँ ये चित वो णाहरि, हिवणो बड़ो कठोर।

म्हारी आसा चितवनि थारी, और णा दूजां दोर।

ऊभ्यां ठाढ़ी अरज करूँ छँ, करतां करतां भोर।

मीरां रे प्रभु हरि अविनासी, देस्यू प्राण अंकोर।।

(ख) बहति लाज बूड़त सुमन भ्रमत नैन तिहि ठांऊ।

नेह नदी की धार में तें न दीजिये पाँव।

(ग) रहै क्यों एक म्यान असि दोय।

जिन नैनन में हरि रस छायो तिहि क्यों भाखै कोय।

जा जन–मन मै रति रहे मोहन तहाँ म्यान को आवै।

चाहो जितनी बात प्रबोधो हयाँ को जो पति आवै।

अमृत खाइ अब देखि इनारून को मूरख जो भूले।

'हरिचंद' ब्रज ले कदली बन काटौ तो फिरी फूलै।

(घ) हिमाद्रि तुंग श्रृंग से

प्रबुद्ध शुद्ध भारती

स्वयंप्रभा समुज्ज्वला

स्वतंत्रता पुकारती।

अमर्त्य वीरपुत्र हो, दृढ़–प्रतिज्ञ सोच लो,

प्रशस्त पुण्य पंथ है—बढ़े चलो, बढ़े चलो।।

(ङ) लीक पर वे चलें जिनके

चरण दुर्बल और हारे हैं,

हमें तो जो हमारी यात्रा से बने

ऐसे अनिर्मित 'पंथ' प्यारे हैं

साक्षी हों राह रोके खड़े

पीले बाँस के झुरमुट

कि उनमें गा रही है जो हवा

उसी से पिटे हुए सपने हमारे हैं।

(च) समर निंद्य है धर्मराज, पर

कहो शान्ति वह क्या है,

जो अनीति पर स्थित होकर भी,

बनी हुई सरला है ?

सुख-समृद्धि का विपुल कोष

संचित कर कल, बल, छल से,

किसी क्षुधित कर ग्रास छीन,

धन लूट किसी निर्बल से।

2. आदिकालीन काव्य की प्रतिनिधि रचनाओं का परिचय दीजिए। 16

3. नागार्जुन के साहित्य का परिचय देते हुए उनके काव्य की अंतर्वस्तु पर विचार कीजिए। 16

4. रीतिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए। 16

5. भक्तिकाव्य की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

6. सूरदास के काव्य के अभिव्यंजना–शिल्प की विशेषताओं पर विचार कीजिए। 16

7. सुमित्रानंदन पंत के काव्य की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 16

8. नरेश मेहता के काव्य की मूल संवेदनाओं पर सोदाहरण विचार कीजिए। 16

9. 'कुरुक्षेत्र' की भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×8=16

(क) तुलसीदास की भक्ति–भावना

(ख) प्रगतिवाद की अंतर्वस्तु

(ग) प्रमुख छायावादी कवि

(घ) विद्यापति की भक्ति भावना

× × × × ×